गृहमंत्री के रूप में आधुनिक भारत के निर्माण में सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका

पुनम कुमारी

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारतीय गणतंत्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। कांग्रेस संगठन पर उनकी सबसे मजबूत पकड़ थी। इसके अतिरिक्त वे प्रांतीय समिति के तथा सलाहकार समिति के अध्यक्ष थे।

राजनीतिक जीवन से दूर रहने का उनका कारण था कि उस समय के राजनीतिक क्रियाकलाप उन्हें संतुष्ट नहीं करते थे। उस क्रिया–विधि को अपनाने से देश या देशवासी के जीवन में सुधार हो सकता है, यह उन्हें विश्वास नहीं था। परंतु गाँधी जी से मिलने के बाद उनका राजनीतिक–सार्वजनिक कार्य–पद्धति की ओर रूझान बढ़ा। उन्होंने गुजरात सभा के सचिव की हैसियत से या अहमदाबाद म्युनिसिपैलिटी के अध्यक्ष होने की हैसियत से जो कार्य किया, उसने गुजरात प्रांत वासी को जागरूक, निर्भय बना दिया। खेड़ा सत्याग्रह द्वारा उन्होंने गाँधी जी के साथ रहकर अहिंसात्मक पद्धति से लड़ाई लड़कर लोगों की समस्याएं दूर करने के गुण सीखे। झंडा सत्याग्रह, बोरसाद सत्याग्रह, बारदोली सत्याग्रह में अहिंसात्मक लड़ाई को नेतृत्व प्रदान किया। बारदोली सत्याग्रह ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर के नेता होने की ख्याति दिलायी।